मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 32, मुंबई, सोमवार, 19 मई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

अफ्रीकी नागरिक चप्पल में छिपा कर ला रहा था सोना

मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय ने किया

गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए एक चाडियन नागरिक को गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर डीआरआई ने एक पुरुष यात्री को रोका। वह एक चाडियन नागरिक है अदीस अबाबा से आया था। यह व्यक्ति विदेशी मूल के सोने की छड़ें उसकी चप्पलों की एड़ी के भीतर चालाकी से छिपाकर ला रहा था। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने इसे जब्त किया। जब्त किए गए सोने का कुल वजन 4015 ग्राम था, जिसकी कीमत लगभग 3.86 करोड़ रुपये थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एक्स-रे में दिखी संदिग्ध तस्वीरें

एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि फ्लाइट संख्या एसजी-6 से दुबई से दिल्ली आने वाले यात्री को ग्रीन चैनल के निकास पर प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया था। यात्री के सामान की एक्स-रे जांच करने पर संदिग्ध छवियां देखी गईं। डीएफएमडी (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) पर जांच करने पर यात्री की ओर से कोई बीप ध्वनि नहीं मिली।

थाईलैंड फरार होने से पहले गिरफ्तार हुई नुसरत फरिया

एक्ट्रेस पर हत्या का आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बांग्लादेश की लोकप्रिय एक्ट्रेस नुसरत फरिया को ढाका एयरपोर्ट गिरफ्तार कर लिया गया है। वह थाईलैंड के लिए उड़ान भरने वाली थी। नुसरत फरिया पर 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा भड़काने और हत्या के प्रयास में शामिल होने का गंभीर आरोप है। नुसरत फरिया फिल्म में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभा चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रविवार की सुबह ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक्ट्रेस की गिरफ्तारी हुई है। 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान एक्ट्रेस पर हिंसा भड़काने और हत्या में शामिल होने का गंभीर आरोप है। इस मामले में फिलहाल पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच उनसे पूछताछ कर रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मिथुन चक्रवर्ती को अवैध निर्माण के लिए मनपा ने भेजा नोटिस

कार्रवाई की दी चेतावनी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मलाड इलाके के एरंगल गांव में कथित रूप से अवैध निर्माण को लेकर बॉलीवुड अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (मनपा) की पी-नॉर्थ वार्ड ने नोटिस जारी किया है। यह शो-कॉज नोटिस 10 मई को जारी किया गया है, जिसमें मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की विभिन्न धाराओं का हवाला देते हुए अवैध निर्माण का आरोप लगाया गया है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार मिथुन चक्रवर्ती को ये बताना होगा कि उनका कि निर्माण क्यों नहीं गिराया जाये। मनपा का कहना है कि बिना किसी वैध अनुमति के 2 ग्राउंड-प्लस-मेजनाइन फ्लोर वाले स्ट्रक्चर, एक ग्राउंड फ्लोर का ढांचा और 3 10X10 की अस्थायी यूनिट्स बनाई गई हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सितंबर, अक्टूबर में निकाय चुनाव!

कार्यकर्ताओं को अजीत पवार का निर्देश, तैयारियों में जुटो

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में बहुप्रतीक्षित निकाय चुनाव में सुप्रीम कोर्ट का अड़ंगा खत्म हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में अगले 4 महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। इसलिए अब सितंबर या अक्टूबर में निकाय चुनाव की संभावना को देखते हुए राजनीतिक दल भी तैयारियों में जोर-शोर से जुट गए हैं। इसी पृष्ठभूमि में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने अपनी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए हैं। नासिक में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अजित पवार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सितंबर-अक्टूबर महीने में चुनाव कराए जा सकते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अपने बल पर चुनाव के लिए तैयार

इससे पहले अजीत ने को पुणे में कहा था कि यदि बीजेपी अपने बल पर निकाय चुनाव लड़ना चाहेगी तो हम भी इसके लिए तैयार हैं। पवार ने उपरोक्त बातें हाल ही में पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दिए गए उस बयान के जवाब में कहीं, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपवाद स्वरूप जहां दोनों पार्टियां समान रूप से मजबूत हैं और जहां कार्यकर्ताओं को नुकसान पहुंचाना संभव नहीं होगा, वहां कुछ स्थानों पर अलग-अलग चुनाव लड़े जा सकते हैं। पुणे में खरीफ सीजन की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान फडणवीस के बयान के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस महायुति के प्रमुख हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ये टकराव ठीक नहीं

पहला मौका है, जब राष्ट्रपति के रेफरेंस का स्वरूप परामर्श मांगने के बजाय न्यायिक निर्णय को चुनौती देने जैसा मालूम पड़ा है। संविधान के अनुच्छेद 200 के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो स्पष्टता लाई थी, स्पष्टतः वह केंद्र को मंजूर नहीं हुआ।

वैसे तो यह 15वां मौका है, जब किसी राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 का उपयोग कर किसी मामले को सुप्रीम कोर्ट के पास भेजा है। लेकिन यह पहला मौका है, जब इस रेफरेंस का स्वरूप परामर्श मांगने के बजाय सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय को चुनौती देने जैसा मालूम पड़ता है। संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो स्पष्टता लाई थी, केंद्र चाहता तो उसके खिलाफ अपनी ओर से अपील दायर कर सकता था। केंद्र के पास उसके बाद भी समीक्षा याचिका दायर करने का विकल्प मौजूद रहता। मगर केंद्र की सलाह पर राष्ट्रपति ने इसे अनुच्छेद 143 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के पास भेजने का फैसला किया। इस तरह अब कोर्ट को संविधान पीठ का गठन करना होगा। इस अनुच्छेद के मुताबिक सार्वजनिक महत्त्व के किसी कानूनी या तथ्य संबंधी प्रश्न पर राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट का परामर्श मांग सकती हैं। विवाद संघ और राज्यों के बीच हो (यानी अनुच्छेद 131 से संबंधित हो), तो उस स्थिति में भी राष्ट्रपति राय मांग सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट को अधिकार है कि वह ऐसी राय देने से इनकार कर सकता है, जैसाकि उसने 1994 में राम जन्मभूमि- बाबरी मस्जिद विवाद में किया था। मगर यहां मुद्दा यह है कि राष्ट्रपति के ताजा रेफरेंस के जरिए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को फिर से उसके पास भेजा गया है। इस पर राज्यों- खासकर तमिलनाडु सरकार की आई आक्रोश-भरी प्रतिक्रिया गौरतलब है। उपरोक्त निर्णय तमिलनाडु के मामले में ही आया था। तब अदालत ने व्यवस्था दी थी कि आगे से विधायिका से दोबारा पारित किसी विधेयक को राष्ट्रपति/ राज्यपाल तीन महीने से अधिक लंबित रखेंगे, तो उसे मंजूरी मिल गई माना जाएगा। संविधान में राष्ट्रपति/ राज्यपालों से यथाशीघ्र मंजूरी देने को कहा गया था। लेकिन खासकर वर्तमान केंद्र सरकार के तहत गैर- भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों ने यथाशीघ्र शब्द में निहित अस्पष्टता को विधेयकों को अनंत काल तक लटकाए रखने का जरिया बना लिया। सुप्रीम कोर्ट इस विसंगति को दूर की थी। लेकिन केंद्र को वह मंजूर नहीं हुआ। उसने राज्यों से फिर एक अवांछित टकराव मोल ले लिया है।

जरा याद उन्हें भी कर लो जो लौट के घर ना आए...

वो कितना खौफनाक हृदय विदारक मंजर था जलियांवाला बाग नरसंहार का कि आज भी रुह कांप उठती हैं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। यूं तो हमारे देश को आजाद कराने में कई बेनाम देशभक्तों और वीरांगनाओं तथा क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दिया है। लेकिन बहुत से ऐसे गुमनाम नायक और नायिकाएं हुए हैं जिनके बारे में अधिकांश लोगों को जानकारी नहीं है। ऐसे ही एक महान क्रान्तिकारी और स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं राम नंदन मिश्र जो जलियांवाला बाग नरसंहार से बहुत ही दुखी व अंग्रेजों को हर हाल में सबक सिखाना चाहते थे। राम नंदन मिश्र दरभंगा जिले के रघुनाथ पुर , पोस्ट आफिस पतोर गांव के एक सम्मानित कुलीन भूमिहार ब्राह्मण परिवार से थे। उनका जन्म 1905 के शुरूआती महिने में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र प्रसाद मिश्र एक रुढ़िवादी और सख्त अनुशासनवादी थे। उन्होंने अपने गांव के पंडित से संस्कृत में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की ओर 1926 में उन्होंने काशी विद्यापीठ वाराणसी से शास्त्री की डिग्री प्राप्त की। 1919 में रॉलेक्ट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड से जुड़ी दुःखद खबरों के बाद वह दुःखी और निराश हुए। वे एक सच्चे गांधीवादी, समाज-सुधारक और बिहार के एक क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी थे। असहयोग आंदोलन में उन्होंने महात्मा गांधी के अनुसार अंग्रेजी स्कूल का बहिष्कार किया और काशी विद्यापीठ में भर्ती कराया गया। वे बिहार में सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अग्रणी

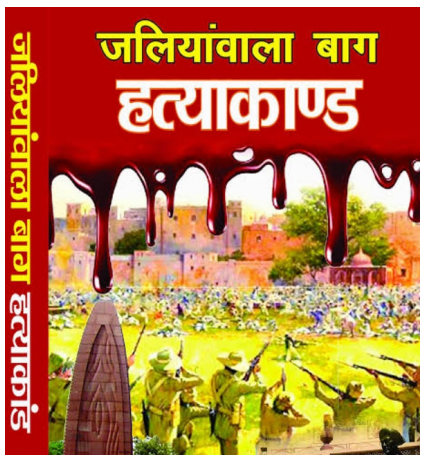

थे। उन्होंने अपने घर से ही प्रदा विरोधी आंदोलन की शुरूआत की। अपनी पत्नी के साथ गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती आश्रम की यात्रा की और अपने सामाजिक सुधार विशेष रुप से प्रदा विरोधी व्यवस्था में महात्मा गांधी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पटना में आयोजित बिहार प्रांतीय सम्मेलन के सत्र में भाग लिया। और साइमन कमीशन के आगमन के खिलाफ आयोजित प्रदर्शन में सक्रिय रुप से भाग लिया। उन्होंने सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक कानून तोड़ने के लिए नमक सत्याग्रह, कृषि आंदोलन, व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आन्दोलन आदि में भाग लिया। उन्हें उड़िसा में गिरफ्तार किया गया और कटक, बेहरामपुर और उड़िसा के गुंजाम जिले के रसाल कुंडा की जेलों में बंद कर दिया गया और अंततः अक्टूबर 1942 के अंतिम सप्ताह में हजारीबाग सैन्ट्रल जेल में डाल दिया गया। लेकिन वह हमेशा जेल की सलाखों से भागने में सक्रिय रहे। वे ट्रेड यूनियन आंदोलन में काफी सक्रिय रहे। 15 जुलाई 1947 समस्तीपुर में आयोजित अवध तिरहुत रेलवे मेन्स यूनियन की बैठक की अध्यक्षता उन्होंने की। उनमें गांधीवादी, क्रांतिकारी और अरबिंदो घोष जैसे दार्शनिक संत का अनुठा संगम था। पंडित राम नंदन मिश्र छात्र जीवन में ही गांधी जी के संपर्क में आ गए थे। 1926 में दरभंगा आगमन पर लहेरियासराय में महिलाओं की सभा में गांधी जी ने प्रदा प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई थी। जिससे प्रभावित होकर पंडित जी ने अपनी पत्नी राजकिशोरी देवी को प्रदा प्रथा से बाहर निकालने के लिए अपने पिता और समाज से संघर्ष किया था। वह जलियांवाला बाग हत्याकांड को लेकर काफी दुखी रहते थे और उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब इन दुष्ट अंग्रेजों को देश छोड़कर जाना ही होगा और अंत में वही हुआ। फिर भी वह अपने स्तर पर देश की आजादी के लिए काफी संघर्षरत रहे।

पीड़ितों की सुनवाई में जुटी डीसीपी दीपेंद्र चौधरी की कर्तव्य निष्ठा, दक्षिण में जारी गिरफ्तारियां

कानपुर। यहां साउथ पुलिस की सक्रियता जन समस्याओं की सुनवाई कर उनके समुचित और संतोषजनक निस्तारण के साथ घटनाओं के सटीक खुलासे तथा अपराधियों की अनवरत गिरफ्तारी के अभियान में भी लगातार सफल है। जानकारी के मुताबिक साउथ पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए अब तक जेल भेजे जा चुके दर्जनों अपराधियों के खिलाफ विभिन्न स्थानों में रंगीन धाराओं के अनेक मुकदमे भी दर्ज हैं। साथ ही फरार चल रहे अन्य अपराधियों की तलाश भी लगातार जारी है।

अवगत कराते चलें कि अपनी लगातार प्रभावी कार्रवाई से जो साउथ पुलिस आम जनता में भारी राहत और अपराधियों में जबरदस्त दहशत का कारण बनी है। आजकल उस साउथ पुलिस की कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल डीसीपी के रूप में आई पी एस दीपेंद्र नाथ चौधरी के हाथ में है। सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक शातिर सफेदपोस माफिया अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके जुझारू डीसीपी आई पी एस दीपेंद्र नाथ चौधरी के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

इसी के साथ डीसीपी आई पी एस दीपेंद्र नाथ चौधरी की कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है, जिसके अनुरूप ही वह जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। वहीं कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि डीसीपी आई पी एस दीपेंद्र नाथ चौधरी की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

कोई अनुपमा यूं ही नहीं बन जाती...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

कोई अनुपमा यूं ही नहीं बन जाती
पढ़ना तो चाहता था हर कोई उसे
पर चेहरे पर उभरी लकीरों में
वो अनगिनत भावों को पढ़ नहीं सका
यही वो जाने अंजाने शख्स से कहती हैं
कोई अनुपमा यूं ही नहीं बन जाती
दिल में किसी के प्रति चाहत की गहराई
अनमोल लम्हें पर बेजुबान लब,
ख्वाइशों का समंदर पाले हैं दिल में
बनकर किसी अनजाने शख्स का हमसफर
यही दिल में पालें हसरत की उम्मीद का अलख
बल्कि वो कोई ओर नहीं
लरजते दिल पर
बरसते सावन की फुहार की मिठास
अनुपमा का दिल इतना
गया गुजरा भी नहीं कि
अंजाने शख्स को जगह दे
ये अनमोल जगह उसी के लिए हैं
जो सब कुछ अपना हैं
अपना था और रहेगा
जो अपने ख्वाबों की जगह
जो कभी किसी के लिए ना थी
और ना रहेगी... कभी नहीं... कभी नहीं...

लेखिका - डॉ. अनुपमा वर्मा
जयपुर (राजस्थान)

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स संगठन ने कैप्टन ए डी मानेक को भारत गौरव सम्मान से नवाजा

मुंबई। जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर, स्काईलाईन एविएशन क्लब के स्वामी, फर्स्ट एविएशन फॅमिली ऑफ इंडिया के मुखिया कैप्टन (डॉ) ए डी मानेक जो करीब चालीस वर्षों से एविएशन इंडस्ट्री में एक मेंटर के रूप में चर्चित हैं, ऐसे असाधारण शख्सियत को भारत गौरव सम्मान से नवाजा गया है। कैप्टन मानेक को उनके द्वारा वर्षों से एविएशन इंडस्ट्री के माध्यम से हजारों पायलट को उड़ानों के लिए तैयार करना, उनके व्यक्तित्व निर्माण तथा अनेकों सामाजिक सरोकार के कार्यों अर्थात राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में बहुत बड़ा

योगदान के फलस्वरुप पत्रकार सुरक्षा तथा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स द्वारा सम्मानित किया गया है। गत दिनों एक साधारण परंतु गरिमामय कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ मानेक ने शशि दीप को स्वलिखित ऑटोबायोग्राफी उड़ान एक मजदूर बच्चे की की ऑटोग्राफ कॉपी भेंट कर सम्मानित किया। गौरतलब हो कि कैप्टन मानेक इस वर्ष पद्म श्री अवार्ड के लिए भी नॉमिनेट हुए हैं। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सैयद खालिद कैस, संगठन के महिला विभाग की संयोजिका डॉ सुन्दरी ठाकुर तथा अन्य पदाधिकारियों ने डॉ मानेक को हार्दिक बधाईयाँ प्रेषित की तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

गौसिया फातिमा ने 86.4% अंकों के साथ दसवीं में हासिल की कामयाबी, शहर में खुशी का माहौल

लखनादौन। शहर काजी जनाब अख्तर हुसैन मसूदी बेटी की गौसिया फातिमा ने इंग्लिश मीडियम से दसवीं क्लास में 86.4 फीसदी अंक लेकर कामयाबी हासिल की है। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के नतीजे का ऐलान हुआ और यह जानकारी हुई। कुमारी गौसिया फातिमा की कामयाबी की वजह से घर परिवार और शहर में खुशियों का माहौल है। कुमारी गौसिया फातिमा ने अपनी कामयाबी की वजह मां बाप

की परवरिश और दुआ और अपने टीचरों की रहनुमाई को बतलाया है। शहर काजी जनाब अख्तर हुसैन मसूदी साहब ने सभी विद्यार्थियों के नाम अपने पैगाम में कहा है कि कामयाबी की वजह सिर्फ तालीम है और तालीम से ही तरक्की है इसलिए सभी विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करें और मोबाइल से दूर रहे और अपने मां बाप और टीचरों का नाम रोशन कर देश के विकास में अपना योगदान प्रदान करें।

भारत-पाक तनाव के बीच आईआईटी बॉम्बे ने तुर्किये को दिया झटका, समझौते किए निलंबित

मुंबई। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव में तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ दिया। इसे लेकर भारत में रोष है। तुर्किये के कई सामानों का बहिकाष्कार किया जा रहा है। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई ने तुर्किये के विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौतों को निलंबित कर दिया है। संस्थान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि तुर्किये को लेकर मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे तुर्किये के विश्वविद्यालयों के साथ अपने समझौतों को अगला नोटिस जारी किए जाने तक निलंबित करने की प्रक्रिया में है। आईआईटी मुंबई और कुछ तुर्किये संस्थानों के बीच संकाय विनिमय कार्यक्रम (फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम) को लेकर समझौता था। यह घटनाक्रम ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किये

द्वारा पाकिस्तान को दिए गए समर्थन के मद्देनजर सामने आया है। इससे पहले, आईआईटी रुड़की ने तुर्किये के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ किया गया एक समझौता औपचारिक रूप से रद्द कर दिया था। आईआईटी रूड़की ने एक्स पर लिखा था कि संस्थान वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो इसकी शैक्षणिक प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करता है और राष्ट्रीय हित को बनाए रखता है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने भी खत्म किए संबंध : बता दें कि इससे पहले अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने भी तुर्किये से शैक्षिक संबंध खत्म कर दिए हैं। एएमयू के साथ अलीगढ़ के ताला व्यापरियों ने भी तुर्किये से अपना व्यापार खत्म करने का ऐलान किया है। वहीं निजी संस्थानों जैसे चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने भी तुर्किये और अजरबैजान के 23 विश्वविद्यालयों के साथ अपने अकादमिक सहयोग को समाप्त कर दिया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अफ्रीकी नागरिक चप्पल में छिपा कर ला रहा था सोना

अपने बयान में, यात्री ने सीमा शुल्क जांच से बचने के लिए सोना छिपाने की बात स्वीकार की। अधिकारियों ने कहा कि डीआरआई ने तस्करी किए गए सोने को जब्त कर लिया और व्यक्ति को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच चल रही है। बता दें कि चाड मध्य अफ्रीका में स्थित एक स्थलरुद्ध देश है। चाड को त्शाद भी उच्चारित किया जाता है। चाड पूर्व में सूडान, पश्चिम में कैमरून, नाइजीरिया, नाइजर, उत्तर में लीबिया और दक्षिण में मध्य अफ्रीकी गणराज्य से घिरा हुआ है। इस साल अप्रैल में, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 1.91 करोड़ रुपये मूल्य की दो किलोग्राम सोने की छड़ें ले जा रहे एक पुरुष भारतीय यात्री को रोका गया था। एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि फ्लाइट संख्या एसजी-6 से दुबई से दिल्ली आने वाले यात्री को ग्रीन चैनल के निकास पर प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया था। यात्री के सामान की एक्स-रे जांच करने पर संदिग्ध छवियां देखी गईं। डीएफएमडी (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) पर जांच करने पर यात्री की ओर से कोई बीप ध्वनि नहीं मिली। हालांकि, सामान की विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप 2 किलोग्राम सोने की छड़ें बरामद हुईं। अधिकारी ने कहा कि रोके गए यात्री (40), जयपुर, राजस्थान के निवासी हैं, उनके पास लगभग 1.91 करोड़ रुपये का सोना पाया गया।

थाईलैंड फरार होने से पहले गिरफ्तार हुई नुसरत फरिया

पिछले साल जुलाई में विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के संबंध में फरिया के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पिछले साल की हिंसा की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। नुसरत फरिया एक बांग्लादेशी अभिनेत्री और मॉडल हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी और सुंदरता से दर्शकों का दिल जीता है। उनका जन्म 8 सितंबर 1993 को चटगाँव, बांग्लादेश में हुआ था। नुसरत फरिया ने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और बाद में अभिनय की दुनिया में कदम रखा।नुसरत फरिया ने अपनी पहली फिल्म आशिकी से अपने करियर की शुरूआत की थी, जो 2015 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें ऑपरेशन सुंदरबन और शहंशाह शामिल हैं। नुसरत फरिया की फिल्में अक्सर रोमांटिक और ड्रामा से भरपूर होती हैं। नुसरत फरिया बांग्लादेश में बहुत ही लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। उनकी सुंदरता और अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीता है। नुसरत फरिया के सोशल मीडिया पर भी लाखों फॉलोअर्स हैं और वह अक्सर अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ती रहती हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को अवैध निर्माण के लिए मनपा ने भेजा नोटिस

मनपा की रिपोर्ट के अनुसार, इन अस्थायी यूनिट्स में ईंटों, लकड़ी की पट्टियों, कांच की दीवारों और एसी शीट्स की छतों का इस्तेमाल किया गया है, जो निर्माण नियमों का उल्लंघन करता है। यदि इस नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो मनपा ने चेतावनी दी है कि मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475अ के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए इन ढांचों को तोड़ दिया जाएगा। बीएमसी के अनुसार, मई के अंत तक एरंगल और आसपास के इलाकों में कुल 101 अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की योजना है। मिथुन चक्रवर्ती ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मेरे पास कोई अवैध निर्माण नहीं है। कई लोगों को इस तरह के नोटिस भेजे गए हैं। और हम भी अपना जवाब भेज रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत टार्गेटिंग नहीं है बल्कि मनपा की व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है। यह पहला मौका नहीं है जब मिथुन को ऐसा नोटिस मिला हो, इससे पहले 2011 में भी मनपा ने उनके खिलाफ अवैध निर्माण को लेकर कार्रवाई की थी।

सितंबर, अक्टूबर में निकाय चुनाव!

उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में सभी दलों के कार्यकताओं को मौका मिलेगा। पहले की तरह 27 प्रतिशत आरक्षण सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित रहेंगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपना काम दिखाने की अपील की। इससे पहले अजीत ने शनिवार को पुणे में कहा था कि यदि बीजेपी अपने बल पर निकाय चुनाव लड़ना चाहेगी तो हम भी इसके लिए तैयार हैं। पवार ने उपरोक्त बातें हाल ही में पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दिए गए उस बयान के जवाब में कहीं, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपवाद स्वरूप जहां दोनों पार्टियां समान रूप से मजबूत हैं और जहां कार्यकर्ताओं को नुकसान पहुंचाना संभव नहीं होगा, वहां कुछ स्थानों पर अलग-अलग चुनाव लड़े जा सकते हैं। पुणे में खरीफ सीजन की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान फडणवीस के बयान के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस महायुति के प्रमुख हैं। स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में मुख्यमंत्री ने जो कहा, मैं उसका समर्थन करता हूं।

खबर संक्षेप

छात्र ने प्रधानाध्यापक पर लगाया चोटी काटने और तिलक पोंछने का आरोप

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक प्राथमिक विद्यालय के छात्र ने प्रधानाध्यापक पर उसकी चोटी काटने और माथे का तिलक पोछने का आरोप लगाया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को तितावी थाना क्षेत्र के काजीखेड़ा गांव के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में हुई। देवांश नामक छात्र के माता-पिता ने शनिवार को शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानाध्यापक ने जबरन उसकी चोटी काट दी और उसके माथे का तिलक पोछ दिया। इस घटना को लेकर कुछ हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कथित घटना को लेकर प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

पुंछ में 42 बिना फटे हुए गोले नष्ट किए गए

जम्मू। सुरक्षा बलों ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव

के बाद नागरिक इलाकों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत रविवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास विभिन्न अग्रिम गांवों में 42 बिना फटे गोले नष्ट कर दिए। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि झुल्लास, सलोत्री, धराटी और सलानी के सीमावर्ती इलाकों में 42 बिना फटे गोला-बारूद को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के लिए एक नियंत्रित अभियान सफलतापूर्वक चलाया। उन्होंने कहा कि ये गोले हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के अवशेष हैं।

बेटी ने प्रेमी संग मिलकर की मां की हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने रविवार की सुबह चिनहट क्षेत्र में एक महिला की हत्या के आरोप में उसकी नाबालिग बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त शशांक सिंह ने बताया कि चिनहट थाना क्षेत्र में ऊषा सिंह (40) नामक महिला का शव आज सुबह उसके घर में पाया गया। उसकी गला काटकर हत्या की गयी थी। अपराध स्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस को ऊषा की 15 वर्षीय बेटी पर संदेह हुआ। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की

इस्माइल रॉयर को नियुक्त किया धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के सलाहकार बोर्ड का सदस्य

ट्रंप ने 2 'जिहादियों' को बनाया सलाहकार; एक कश्मीर में व अमेरिका में मचा चुका है आतंक

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में विवादास्पद नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने आतंकवाद से संबंधित आरोपों में 13 साल जेल में बिताने वाले पूर्व जिहादी इस्माइल रॉयर को व्हाइट हाउस के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया है। इस्माइल पर आरोप है कि वह अमेरिका के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने और अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को सहायता प्रदान करना शामिल था। इसके अलावा एक और पूर्व जिहादी शेख हमजा यूसुफ को भी इसी बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है।

इस नियुक्ति को लेकर ट्रंप की करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस्माइल रॉयर की नियुक्ति को पागलपन बताया है और आरोप लगाया है कि रॉयर लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ट्रेनिंग कैंप में प्रशिक्षण ले चुका है और उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर आतंकी हमलों की साजिश रची और फायरिंग जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया है।

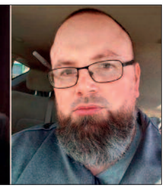

नियुक्तियों पर अमेरिका का क्या है कहना....

व्हाइट हाउस ने कहा, इस्माइल वर्तमान में धार्मिक स्वतंत्रता संस्थान में इस्लाम और धार्मिक स्वतंत्रता कार्यबाई टीम के निदेशक हैं। 1992 में इस्लाम धर्म अपनाने के बाद उन्होंने पारंपरिक इस्लामी विद्वानों के साथ धार्मिक विज्ञान का अध्ययन किया है और एक दशक से ज़्यादा समय तक गैर-लाभकारी इस्लामी संगठनों में काम किया है। रॉयर ने धर्मों के बीच शांति को बढ़ावा देने के लिए गैर-लाभकारी संगठनों के साथ काम किया है।

13 साल जेल में रह चुका है इस्माइल

2003 में इस्माइल पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया था। इनमें अमेरिका के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने और अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को सहायता प्रदान करना शामिल था। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 2004 में उसने विस्फोटकों के इस्तेमाल में मदद करने के आरोप भी स्वीकार किए थे। इस मामले में इस्माइल को 20 साल की सजा हुई थी और वो 13 साल जेल में रहा है।

कौन है इस्माइल रॉयर?

इस्माइल का जन्म सेंट लुईस में हुआ था। अमेरिकी डिपोर्टमेंट और जस्टिस के मुताबिक, इस्लाम धर्म अपनाने के बाद इस्माइल बोस्नियाई हरणार्थियों के साथ काम करने लगा। इसके बाद वह गृहयुद्ध लड़ने के लिए बोस्निया चला गया। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, साल 2000 में इस्माइल पाकिस्तान गया, जहां वो लश्कर-ए-तैयबा के संपर्क में आया। इसके बाद वह वजीनिया में लोगों को आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने लगा। उसे 2017 में जेल से रिहा किया गया था।

शेख हमजा यूसुफ पर लगे हैं यह आरोप.....

शेख हमजा कैलिफोर्निया में जैतुना कॉलेज का सह-संस्थापक है। पत्रकार लॉरा लूमर के अनुसार, शेख हमजा हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ा हुआ है। उनका कहना है कि 9/11 से 2 दिन पहले यूसुफ ने जमील अल-अमीन के लिए पैसे जुटाने का कार्यक्रम आयोजित किया था। अल-अमीन पर एक पुलिस अधिकारी की हत्या का मुकदमा चल रहा था। लूमर के अनुसार, शेख हमजा पर इस्लामिक जिहादियों और प्रतिबंधित आतंकी समूहों से संबंध होने का आरोप है।

रॉयर ने कहा था- मुझे लश्कर के लोग पसंद

2023 में एक साक्षात्कार में इस्माइल ने कहा था, मुझे लश्कर-ए-तैयबा के लोग पसंद थे। मैं बिन लादेन के सख्त खिलाफ था और अल-कायदा को चरमपंथियों के समूह के रूप में देखता था। मुझे बताया गया कि लश्कर-ए-तैयबा कोई चरमपंथी समूह नहीं है और वे रूढ़िवादी इस्लाम का अनुसरण करते हैं। मैंने मुसलमानों को लश्कर में शामिल होने और कश्मीर में उनके साथ प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

रॉयर ने कबूला था आतंकियों से संबंध

रिपोर्ट के अनुसार, रॉयर ने अदालत में माना था कि उसने अपने साथियों- मंसूर खान, योग की क्वीन, मोहम्मद अतीक और ख्वाजा महमूद हसन को पाकिस्तानी आतंकी कैंप में प्रवेश दिलाने में मदद की थी। उसने इब्राहीम अहमद अल-हम्दी को भी आरपीजी यानी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड के प्रशिक्षण के लिए भेजा था, ताकि भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जा सके।

ईओएस-09 सेटेलाइट में आई तकनीकी गड़बड़ी मिशन रह गया अधूरा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दुश्मनों की पल-पल की हरकत पर नजर रखने और भारत के डिफेंस को मजबूत बनाने के मकसद से इसरो ने ईओएस -9 सैटेलाइट तैयार किया है। यह एक अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है, जिसे 18 मई की सुबह लॉन्च किया गया, हालांकि तकनीकी गड़बड़ी के चलते लॉन्च अधूरा रह गया। यह इसरो का 101वां लॉन्च मिशन था। पृथ्वी अवलोकन उपग्रह कई अहम उद्देश्यों के लिए डिजाइन किया गया था। इसमें सी-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार लगाया गया , जो किसी भी मौसम और समय में पृथ्वी की सतह की उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम है। यह सैटेलाइट कृषि, वानिकी निगरानी, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी होता।

कई खूबियों से लैस था उपग्रह

इसरो प्रमुख बोले दोबारा लॉन्च करेंगे

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा - आज हमारा श्रीहरिकोटा से पीएसएलवीसी61 ईओएस-09 मिशन के तहत 101वें प्रक्षेपण का लक्ष्य था। पीएसएलवी चार चरण वाला यान है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था। तीसरे चरण की मोटर सही से चालू हो गई थी लेकिन इस चरण के संचालन के दौरान मिशन पूरा नहीं हो सका। तीसरा चरण एक ठोस मोटर प्रणाली है। उन्होंने कहा कि इसरो इस गड़बड़ी और डेटा का विश्लेषण करेगा और दोबारा मिशन लॉन्च करेगा।

पहले से तैनात है ईओएस-04 : हाल ही में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसरो के रीसेट और कॉर्टोसेट जैसे सैटेलाइट्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन उपग्रहों द्वारा खींची गई हाई रेजॉल्यूशन तस्वीरों की मदद से भारत ने रात के वक्त भी आतंकियों के ठिकानों की सटीक लोकेशन पर स्ट्राइक किया था।

दुश्मन पर पैनी नजर रखने किया है तैयार

ईओएस-09 सैटेलाइट का मकसद भारत की रिमोट सेंसिंग क्षमताओं को और मजबूत करना था। इसकी मदद से आतंकवाद विरोधी ऑपरेशंस को मजबूत बनाना, सीमा पर घुसपैठ को रोकना और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाया जा सकता है। इस सैटेलाइट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह सीमा पर होने वाली हर हरकत पर पैनी नजर रखेगा और रिमोट सेंसिंग के जरिए खतरे का पता लगाएगा। सेना को 24 घंटे डेटा उपलब्ध कराता रहेगा।

नई रोशनी टलेगी ये बड़ी मुसीबत!

अंटार्कटिका से दूर हो रहा खतरे का साया, नासा ने जगाई उम्मीद

वॉशिंगटन। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण पिछले कुछ सालों से अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघलने लगी है। वैज्ञानिकों ने इसे बेहद चिंता का विषय बताया है। वहीं, अब इसको लेकर एक नई रोशनी की किरण देखी जा रही है। अटार्कटिका में वापस बर्फ बढ़ने लगी है। इसको लेकर कुछ वैज्ञानिकों की ओर से रिसर्च की गई। रिसर्च के नतीजे चौंकाने वाले थे।

अंटार्कटिका में घटती बर्फ की चादर

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण अंटार्कटिका में बर्फ के घटते स्तर ने वैश्विक तौर पर समस्या खड़ी कर दी है। वहीं अब हाल ही में नासा के सेटेलाइट से पता लगा है कि तापमान में वृद्धि होने के बावजूद अंटार्कटिका में बर्फ जम रही है। इस खोज ने वैज्ञानिकों को चैंकाया है। चीन स्थित शंघाई में 'टोंगजी यूनिवर्सिटी' के शोधकर्ताओं ने नासा के सेटेलाइट से प्राप्त डाटा का इस्तेमाल करते हुए अंटार्कटिका की बर्फ की चादर में पिछले 2 दशकों से अधित समय में हुए बदलाव को ट्रैक किया। कुल मिलाकर इस महाद्वीप में बर्फ के स्तर पर कमी आई है, लेकिन साल 2021-2023 के बीच अंटार्कटिका में खोई हुई बर्फ वापस आई है।

बर्फ की चादर को किया ट्रैक

'लाइवसाइंस' की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय से अंटार्कटिका में ज्यादा बारिश होने के कारण बर्फ अधिक बनी है।

'साइंस चाइना अर्थ साइंसेज' में पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक नासा के ग्रेविटी रिकवरी एंड क्लाइमेट एक्सपेरीमेंट और गरासे फॉलो ऑन सेटेलाइट के डाटा का विश्लेषण किया गया,जो साल 2002 से इस बर्फ की चादर पर नजर रख रहे हैं।

उम्मीद की किरण

डाटा में पता चला कि साल 2002-2020 के बीच यहां बर्फ की चादर में लगातार बर्फ का नुकसान हुआ है। साल 2002-2010 के बीच बर्फ प्रति वर्ष औसतन 81 बिलियन टन से बढ़कर साल 2011-2020 के बीच तकरीबन 157 बिलियन टन हो गई। फिर रुझान बदलते हुए साल 2021-2023 बर्फ की चादर का वजन 119 बिलियन टन प्रतिवर्ष बढ़ा। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि बर्फ में लगातार हो रही यह वृद्धि अस्थायी होगी।

शहनाई बजने से पहले ही घर-गांव में पसरा मातम

दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाते ही दूल्हे की हार्टअटैक से मौत

मुंबई हलचल / बेंगलूरु

बदलती जीवनशैली, तनाव और अनियमित दिनचर्या के कारण युवाओं को भी हार्ट हटैक अपनी चपेट में ले रहा है। ऐसा ही एक हादसा कर्नाटक के बागलकोट जिले में देखने को मिला, जहां शादी की रस्में निभाते-निभाते ही दूल्हा अचानक गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सिर्फ एक परिवार नहीं, बल्कि पूरे इलाके को सदमे में डाल गई।

पूरे इलाके को सदमे में

हार्ट अटैक से हुई मौत

मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, प्रवीण की मौत हार्ट अटैक से हुई थी. यह जानकर हर कोई हैरान था, क्योंकि वह पूरी तरह से स्वस्थ और सामान्य लग रहा था। न तो उसे पहले कोई दिल की बीमारी थी, और न ही किसी तरह की कोई स्वास्थ्य शिकायत। यह घटना एक बार फिर हमें इस बात की चेतावनी देती है कि हार्ट अटैक बदलती जीवनशैली, तनाव और अनियमित दिनचर्या के कारण युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है।

मंगलसूत्र बांधते वक्त हुआ हादसा

शादी की रस्मों के दौरान जब दूल्हा प्रवीण ने अपनी दुल्हन के गले में मंगलसूत्र बांधा, तभी अचानक उसे सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। वह लड़खड़ाया और जमीन पर गिर पड़ा। वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए। उसके माता-पिता और परिजन उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल लेकर भागे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है

सुप्रिया-निशिकांत समेत 17 सांसद होंगे 'संसद रत्न' से सम्मानित

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

लगातार उत्कृष्ट कार्य के लिए इन्हें मिलेगा सम्मान

चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और सतत योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के अनुसार, ये चारों सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में भी संसद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं और अपनी मौजूदा कार्यकाल में भी लगातार सक्रिय हैं। मर्तृहरि महताब (भाजपा)। सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी), एन. के. प्रेमचंद्रन (आरएसपी), श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना)

दो संसदीय समितियों को भी मिला सम्मान

इस वर्ष दो संसदीय स्थायी समितियों को भी संसद रत्न पुरस्कार से नवाजा जाएगा। वित्त पर स्थायी समिति अध्यक्ष: मर्तृहरि महताब। कृषि पर स्थायी समिति अध्यक्ष: चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस)।

क्या है संसद रत्न पुरस्कार?

संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में हुई थी और यह पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जो पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संसद में सक्रिय रहते हैं। इसका उद्देश्य सांसदों को प्रोत्साहित करना और जनता के बीच संसदीय कार्यवाही को लोकप्रिय बनाना है।

अन्य संसद रत्न पुरस्कार विजेता सांसद : बाकी 13 सांसदों ने संसद में प्रश्न पूछने, चर्चा में भाग लेने और विधेयकों पर सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्मिता वाघ, मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, रवि किशन, निशिकांत दुबे, बिद्युत बारन महतो, पी. पी. चौधरी, मदन राठौर, दिलीप सैकिया (सभी भाजपा)। अरविंद सावंत (शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट), नरेश गणपत म्हास्के (शिवसेना) वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), सी. एन. अन्नादुरै (डीएमके)।

राजस्थान में लू का बढ़ा कहर, श्रीगंगानगर गया सिहर

मुंबई हलचल / श्रीगंगानगर

राजस्थान इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। 18 मई को अधिकतम 46 डिग्री तापमान के साथ श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इस सीजन में यह अब तक का सर्वाधिक तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी से राहत की संभावना कम है, हालांकि इस बार मानसून समय से पहले राजस्थान में दस्तक दे सकता है। राजस्थान का लगभग हर इलाका तपिश की चपेट में है। आसमान से अंगारे बरस रहे हैं और हवाएं गर्म लोहे की तरह झुलसा रही हैं। बीते सप्ताह आंधी और बारिश के बाद अब फिर से सूरज के तेवर तीखे हो गए हैं।

इस सीजन का सबका ज्यादा तापमान 46 डिग्री किया गया दर्ज

राजस्थान में हीटवेव अलर्ट जारी

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शनिवार को श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 46 डिग्री दर्ज किया गया, जो मई माह का अब तक का सर्वाधिक तापमान है। विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। चूरू में तापमान 45.4 डिग्री और फलोदी में 45 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

कई राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी

कर्नाटक, गोवा, कोंकण केरल में होगी बारिश

नई दिल्ली। उत्तर भारत में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई इलाके ऐसे हैं, जहां पर भारी बारिश भी हो रही है। पश्चिमी तटीय इलाकों जैसे कर्नाटक, गोवा, कोंकण और केरल में 24 मई तक भारी से बहुत भारी बारिश होगी। पूर्वोत्तर भारत में 5-6 दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी बरसात और आंधी तूफान की चेतावनी जारी की गई है। जम्मू कश्मीर में भी बारिश के आसार हैं।

पूर्वोत्तर भारत में 24 मई तक बारिश का अलर्ट

पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश में 18-20 मई, असम, मेघालय में 18-24 मई, त्रिपुरा, नगालैंड में 18 मई, असम, मेघालय में 18-20 मई के बीच भारी बरसात का अलर्ट जारी किया गया है।तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में भी वर्षा होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े महंगाई की स्थिति नहीं दशाते

मुद्रास्फीति के आंकड़े वास्तविक स्थिति बयां नहीं करते, व्यय सर्वेक्षण संशोधन जरूरी: अर्थशास्त्री

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि खुदरा मुद्रास्फीति के मौजूदा आंकड़े महंगाई की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाते और कीमत वृद्धि की सही तस्वीर प्राप्त करने के लिए मौजूदा 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण में जल्द-से-जल्द संशोधन करने की जरूरत है।

- सही तस्वीर पाने 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण में संशोधन जरूरी
- पिछले सप्ताह फलों व सब्जियों की कीमतें छह साल के निचले स्तर पर थी

सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है। लेकिन परिवार के शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मदों में बढ़ते खर्च को देखते हुए यह माना जा रहा है कि यह आंकड़ा महंगाई की स्थिति का सही बयां नहीं करता।

भारांश व वस्तुओं में बदलाव जरूरी

जाने-माने अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रो. एन आर भानुमूर्ति ने कहा, "यह माना जा रहा है कि खुदरा उपभोक्ताओं की खपत वस्तुओं की संरचना में बदलाव हुआ है। ऐसे में इसे जीवनयापन की लागत को दर्शाने के लिए भारांश और वस्तुओं में बदलाव की जरूरत है। अभी हम 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसे जल्द-से-जल्द संशोधित करने की जरूरत है।"

अमीर खाद्य वस्तुओं पर कम खर्च करते हैं

इसका कारण मध्यम वर्ग, औद्योगिक श्रमिक या किसान अथवा कृषि श्रमिकों की खपत वाली वस्तुओं का प्रतिरूप अलग-अलग होता है। गरीब लोगों के लिए खाने के सामान का महत्व ज्यादा है। अमीर खाद्य वस्तुओं पर कम खर्च है।

नए सर्वेक्षण में खाद्य वस्तुओं का भारांश होगा कम : *भानुमूर्ति ने कहा, "ऐसी उम्मीद है कि नये सर्वेक्षण में 2011-12 के मुकाबले खाद्य वस्तुओं का भारांश कम हो सकता है। इसी तरह कुछ नई वस्तुएं भी हैं जो औसत उपभोक्ताओं की खपत में शामिल हो सकती हैं।"*

उद्योगपति व कारोबारी को महंगाई से लाभ होता है

आमदनी भी उतनी बढ़े तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अतः यह देखना पड़ता है कि किस-किस तबके पर क्या असर हुआ है। कुमार ने कहा, मुद्रास्फीति की दर सबके लिए एक नहीं है। यह निर्भर करता है कि आपकी खपत का स्तर क्या है। जो उद्योगपति हैं, कारोबारी हैं, उन्हें महंगाई से लाभ होता है क्योंकि उनका मुनाफा बढ़ता है। लेकिन आम लोगों को नुकसान होता है।

अब खपत प्रतिरूप बदला है

लोग अब होटल, रेस्तरां में बाहर ज्यादा खाने लगे हैं...। स्कूल फीस, स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ा है। इसीलिए खपत प्रतिरूप बदल रहा है और उसका भारांश भी बढ़ रहा है। इसमें समय-समय पर संशोधन होना चाहिए था। लेकिन अबतक नहीं हुआ है। उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के तहत यह पता लगाया जाता है कि परिवार किस प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करते हैं।

हर पांच साल में होता है सर्वेक्षण

वर्तमान में 2011-12 के सर्वेक्षण के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आकलन किया जाता है। यह सर्वेक्षण हर पांच साल में होता है। परिवारों के खपत व्यय पर पिछला सर्वेक्षण 2022-23 और 2023-24 (अगस्त-जुलाई) में किया गया और इसके आधार पर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए आधार वर्ष मौजूदा 2012 से संशोधित कर 2024 करने पर काम कर रहा है।

यूपी के कौशांबी में पुलिस के हाथों मारा गया अपराधी संतोष उर्फ राजू , हाइवे पर की थी हत्या और लूट

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में पुलिस के एनकाउंटर में कुख्यात अपराधी संतोष उर्फ राजू मारा गया है। संतोष और उसके दो साथियों पर एक ट्रक ड्राइवर की हत्या कर लूटपाट का आरोप था। कौशांबी पुलिस के अनुसार संतोष और उसके साथ हाइवे पर इस तरह की लूटपाट किया करते थे। इनके खिलाफ पूर्व में भी मुकदमे दर्ज थे। कौशांबी के एसपी राजेश कुमार ने बताया कि कोखराज क्षेत्र में यह एनकाउंटर हुआ। संतोष उर्फ राजू एक शातिर किस्म का बदमाश था। कल एनएच-2 पर हीएक लाश मिली थी जिसकी पहचान सागरमल मीना के रूप में हुई थी। सागरमल मीना राजस्थान का रहने वाला था। वह एक ट्रेलर लेकर गुजरात से चला था। ट्रेलर पर रेलवे का करीब 4 करोड़ रुपए का कॉपर वायर और अन्य समान लेकर आया था। संतोष उर्फ राजू और उसके साथियों ने ड्राइवर को मार कर फेंक दिया था और सामान लूट लिया था। आज पुलिस को सटीक सूचना मिली थी कि अर्टिका गाड़ी में 5 लोग हैं। उनके बीच डीलिंग चल रही है। एक ट्रेलर भी खड़ा है जिसमे माल लदा हुआ है। उसको बेचने की बात चल रही है। एसपी राजेश कुमार के मुताबिक इस सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर पांचों लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इनमें से चार तो आधे दाम में कॉपर खरीदने वाले थे। एक वो था जिसने ड्राइवर को पिस्टल से गोली मारकर हत्या की थी, वारदात को अंजाम दिया था। एसपी के मुताबिक गिरफ्तारी के बाद संतोष उर्फ राजू से पिस्टल के बारे में पूछा गया। उसे पिस्टल बरामद कराने के लिए लाया गया था। इसी दौरान उसने पिस्टल उठाकर पुलिस पार्टी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गनीमत थी की इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर जिन्हें गोलियां लगीं उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखा था। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की जिसमें बदमाश संतोष उर्फ राजू को गोली लगी। पुलिस उसे लेकर अस्पताल गई जहां उसकी मौत हो गई। इस वारदात में संतोष के दो अन्य साथी शामिल थे। एसपी कौशांबी के मुताबिक मृतक बदमाश और उसके साथी शातिर किस्म के अपराधी हैं। ये टैंकर या वॉयर वगैरह का माल लेकर जा रहे वाहनों को निशाना बनाते हैं। ये अपनी गाड़ी से चलते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Best Honey Face Mask

जो लाए त्वचा में गजब का निखार

शहद का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। यह सेहत के लिए तो फायदेमंद होता ही है, इसके साथ ही यह त्वचा को निखारने के लिए भी बहुत फायदेमंद है। सभी महिलाएं अपनी स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए मंहगे से मंहगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं जिससे कई बार नुकसान भी हो जाता है। ऐसे में शहद को फेस पैक के तौर पर यूज करके त्वचा की रंगत को निखारा जा सकता है। आइए जानिए कैसे इसका इस्तेमाल किया जाए।

1. शहद और नमक

शहद में नमक मिलाकर इसे चेहरे पर स्क्रब की तरह इस्तेमाल करें और कुछ देर लगाने के बाद चेहरे को पानी से साफ करें। यह मिश्रण त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और निखार लाता है। इसके अलावा नमक चेहरे के दाग-धब्बों को साफ करने का काम करता है।

2. शहद और नींबू

धूप की वजह से त्वचा पर टैनिंग की समस्या हो जाती है और रूखापन आ जाता है। ऐसे में शहद और नींबू से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से फायदा होता है। 1 चम्मच शहद में 1 नींबू का रस डालकर मिश्रण तैयार करें और इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद ठंडे पानी से त्वचा को धो लें। नींबू में मौजूद विटामिन सी स्किन में गजब का निखारा लाता है।

3. शहद, बेसन और हल्दी

बेसन में हल्दी और पानी डालकर तो चेहरे पर अक्सर लगाया होगा लेकिन इस बार इसमें पानी की जगह शहद मिलाकर त्वचा पर ट्राई करें। इसके लिए 1 बड़े चम्मच बेसन में 1 चम्मच शहद और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस फेस पैक को पूरे चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस पैक का इस्तेमाल करने से त्वचा की रंगत खिल उठती है।

4. शहद और सेब का सिरका

इसके लिए 1 चम्मच सिरका और बराबर मात्रा में शहद लेकर मिक्स करें। अब इसे चेहरे पर अच्छी तरह लगाएं और 15 मिनट के बाद पानी से साफ करें। सेब के सिरके में मौजूद विटामिन सी त्वचा को निखारने और कोमल बनाने में मदद करता है।

5. शहद और चीनी

इस फेस पैक को बनाने के लिए 1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी का घोल मिलाकर पैक तैयार करें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और अच्छे से मसाज करें। 20 मिनट लगाने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

बाथ साल्ट से नहाने के 5 चौंकाने वाले फायदे

बाथ साल्ट से स्नान करना हमारी सेहत के बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इसमें खनिज और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में शामिल होते हैं। यह हमारे शरीर को तनावमुक्त रखने, अच्छी नींद लेने और ब्लड सकुर्लेशन को सही रखने में मदद करता है। बाथ साल्ट से हमारा मतलब यह नहीं कि आप सच में नमक से स्नान करें। बल्कि यह एक ऐसा मिश्रण है, जिसमें मुख्य रूप से मैग्नीशियम और सल्फर जैसे खनिज होते हैं। इसके कई चिकित्सीय लाभ भी हैं। नहाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बाथ साल्ट जैसे कि एपसॉम साल्ट, डेड सी सॉल्ट और हिमालय पिंक सॉल्ट कई तरह की बीमारियों का इलाज करने में मदद करता है। अधिक लाभ के लिए आप नमक से स्नान करने के साथ सुगन्धित तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। आईए जानते हैं एपसॉम नमक हमारे शरीर के लिए क्यों फायदेमंद है।

पढ़े क्या हैं इसके फायदे:-

- शरीर को रिलेक्स करने में

एपसॉम नमक का सबसे बड़ा गुण यह है कि इससे शरीर को रिलेक्स करने में मदद मिलती है। इसकी वजह है इसमें मौजूद मैग्नीशियम की प्रचुर मात्रा, जो मांसपेशियों में रक्त परिसंचरण को बढ़ाकर शरीर को रिलेक्स करती है। यह ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है और ब्लड प्रैशर को नियंत्रित रखता है। गर्म पानी और एपसॉम नमक के साथ स्नान करने से मांसपेशियों को दर्द से राहत मिलती है। यही वजह है कि वर्कआउट के बाद इसे जरूरी बताया जाता है।

- बेहतर डिटॉक्स

एपसॉम नमक का इस्तेमाल डिटॉक्स उपचार में भी किया जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ(टॉक्सिन) निकालने का बेहतर तरीका है। गर्म पानी, एपसॉम नमक और आपके पसंदीदा सुगन्धित तेल की कुछ बूंदें छिद्रों से टॉक्सिन निकालने में मदद करती है।

- कोशिकाओं का रखरखाव

एपसॉम नमक शरीर में एंजाइमिक कार्यों में भी सहायता करता है। शरीर में कोशिकाओं के रखरखाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हैं। यह

कोशिकाओं के भीतर रासायनिक प्रतिक्रियाओं की दर बढ़ाते हैं।

- कब्ज से राहत

यह कब्ज से राहत प्रदान करता है। यदि आम भाषा में कहें तो यह यह आंत्र में पानी की मात्रा को बढ़ाता है।

- हार्मोन रेगुलेटर

मैग्नेशियम के और भी कई फायदे है। यह अच्छी नींद लेने, दिल की धड़कन व ब्लड शगुर और हार्मोन को नियंत्रित रखने में मददगार है।

ब्यूटी के लिए महंगे ट्रीटमेंट नहीं, अपनाएं ये सस्ते टिप्स

आए दिन ब्यूटी से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों का सामना तो हर किसी को करना पड़ता है। धूल-मिट्टी और धूप की वजह से चेहरे पर डलनेस, काले धब्बे, और कील मुंहासे होने शुरू हो जाते हैं जो खूबसूरती के रास्ते में रोड़े का काम करते हैं। इन सबसे पीछा छुड़वाने के लिए लोग फेसवॉश, क्रीम, स्क्रब व अन्य कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेते हैं। खासकर लड़कियां लेकिन अगर आपको इन सबका हल कम पैसों में घर बैठे बिठाए मिले तो बाहर पैसे खर्च करने का क्या फायदा। आज हम आपको असरदार टिप्स बताते हैं जो आपके बहुत काम आएंगे।

1. स्किन बनेगी ग्लोइंग

स्किन से जुडी परेशानियों के लिए महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की बजाए अपनाएं ये होममेड तरीके। जिसके लिए आपको ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने होंगे।

गुलाब जल

एक 100 मि.ली. कीबोतल में पानी के साथ 10-15 गुलाब के फुल की पंखुडियां डालकर 36 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इसमें 1 बूंद अल्कोहल की डालकर फेस पर लगाएं। इसे नहाने के बाद और रात को सोने से पहले इस्तेमाल करें।

नींबू

एक कप गर्म पानी में नींबू के बारीक छिलके डालकर दिन में दो बार पीएं। इससे स्किन डिटॉक्स हो जाती है। चेहरा कमाल का ग्लो करेंगा।

शहद और दालचीनी

इन दोनों को मिलाकर पैक तैयार कर लें और इसे 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। चेहरे की नमी बरकरार रहेगी। दाग-धब्बों से छुटकारा भी मिलेगा।

एप्पल साइडर विनेगर

पानी में एप्पल साइडर विनेगर की 2 बूंद डालकर कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं। इससे धूप से होने वाली टेनिंग व डेड स्किन दूर हो जाएगी।

2. झड़ते-गिरते बाल होंगे लंबे और घने

टूटते,झड़ते और बेजान बालों से परेशान हैं तो घरेलू उपाय अपना कर आप जल्दी इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

प्याज,लहसून और नींबू

इन सबका ताजा रस निकाल कर मिक्स कर लें और बालों में लगाएं। इसे 20 मिनट बाद धो लें।

गाजर और नारियल का दूध

इन दोनों को मिलाकर बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें। बाल झड़ने बंद हो जाएंगे।

एलोवीरा

एलोवीरा जैल को पानी के साथ मिलाकर 10 मिनट के लिए बालों की जड़ों पर मसाज करें और पानी से धो लें।

चुकंदर

पानी में चुकंदर को डालकर 10 मिनट तक उबाल लें और इसे ठंड़ा होने दें। इस पानी से बालों की मसाज करें। आप इसे हफ्ते में 2-3 बार भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)

अभिनेत्री शर्वरी को मिला आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस अवॉर्ड

अभिनेत्री शर्वरी ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। साल 2024 में जहां उन्होंने मुंजा जैसी 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर फिल्म दी, वहीं वेदा और महाराज जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीता। अब जी सिने अवॉर्ड्स 2025 में उन्हें मुंजा और वेदा में शानदार अभिनय के लिए आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस बाय अ यंग टैलेंट के अवॉर्ड से नवाजा गया है। अवॉर्ड जीतने के बाद शर्वरी ने कहा कि 2024 मेरे करियर का सबसे खास साल रहा है। इस साल मुझे जितनी भी शानदार फिल्में और किरदार मिले, वो मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे इस इंडस्ट्री में पहचान दिलाई है और ये अवॉर्ड भी उन्हीं को समर्पित है। शर्वरी ने अपने प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स का भी आभार जताया। शर्वरी ने कहा कि मैं दिनेश विजन, आदित्य सर्पोतदार, निखिल आडवाणी, मोनीषा, मधु, आदित्य चोपड़ा और सिद्धार्थ पी मल्होत्रा सर की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मुझे ये मौके दिए।

...ट्विंकल खन्ना ने ठुकराई अनिल कपूर की फिल्म

बॉलीवुड में अक्सर रिश्ते और प्रोफेशनल फैसले आपस में उलझ जाते हैं। ऐसा ही एक किस्सा जुड़ा है ट्विंकल खन्ना और अनिल कपूर के साथ। जहां एक ओर अनिल कपूर उस दौर के सुपरस्टार थे, वहीं ट्विंकल खन्ना फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही थीं। लेकिन एक फिल्म के प्रस्ताव को उन्होंने सिर्फ इसलिए ठुकरा दिया, क्योंकि उसमें उनके मां डिंपल कपाड़िया के पूर्व को-स्टार अनिल कपूर थे। साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म घरवाली बाहरवाली के लिए ट्विंकल को एक अहम भूमिका ऑफर हुई थी। इस फिल्म में अनिल कपूर के साथ रवीना टंडन और रंभा नजर आई थीं। ट्विंकल को रंभा वाला रोल दिया जाना था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। कारण था मां डिंपल कपाड़िया और अनिल कपूर की पुरानी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री। ट्विंकल को यह डर था कि उनकी और अनिल कपूर की जोड़ी पर्दे पर असहज और अजीब लग सकती है, क्योंकि डिंपल और अनिल पहले ही साथ काम कर चुके थे। खासकर 1986 में आई फिल्म जांबाज में दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। ट्विंकल के अनुसार, मां के साथ काम कर चुके अभिनेता के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाना उन्हें सही नहीं लगा, और इसी सोच के चलते उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया।